आप अपने आप में अनुपम और अद्भुत है

सुषमा मुनींद्र

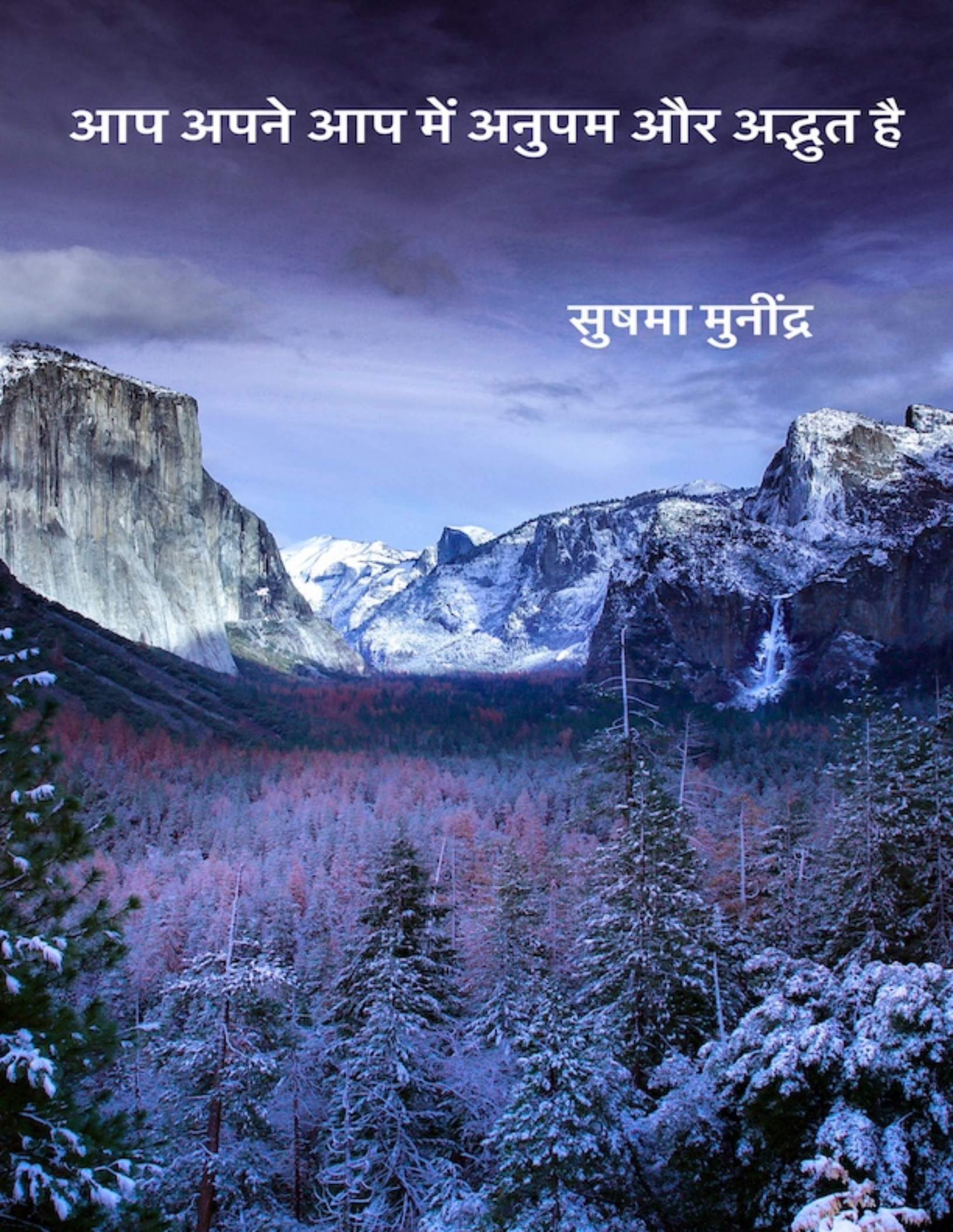

आप अपने आप में

अनुपम और अद्भुत हैं

सुषमा मुनीन्द्र

अनुक्रम:

कहानी	**पृष्ठ संख्या**
आप अपने आप में अनुपम और अद्भुत हैं	3
संशय में हैं संजय जी	37
संघर्ष ही जीवन है	51

आप अपने आप में अनुपम और अद्भुत हैं

औसत दर्जे का शहर हनुमान गंज विकास और फैशन के आ जाने से अब वैसा औसत नहीं लगता जैसा लगता था। तमाम छोटे-बड़े नगरों की तरह यहाँ भी एक राष्ट्रव्यापी कंपनी ने बहुमंजिला इमारतों वाली सर्व सुविधा युक्त सोसायटी बना दी है - नीलाम्बर सिटी। बिजली, पानी के निर्बाध वितरण वाले सुंदर फ्लैट, पार्क, हरियाली, सुरक्षा गार्ड। सोसायटी के निर्माण काल में हनुमान गंज के लोग कहते थे शहर से आठ किलोमीटर दूर निवेश करना बेवकूफी है। जिसने फ्लैट खरीदने की बेवकूफी कर ली आज बुद्धिमान कह रहे हैं। सिम्पल के पति निर्वाण ने जब नीलाम्बर सिटी की बिल्डिंग नम्बर एक के तीसरे तल्ले का फ्लैट नम्बर बारह किश्तों में खरीदा था कुल कीमत साढ़े सात लाख थी जो आज तीस लाख के आस-पास आँकी जाती है। फ्लैट कल्चर में एक दूसरे को जानने-पहचानने, पहुँच बनाने, दखल देने का दस्तूर नहीं है, लेकिन बिना मर्द वाले घर को लेकर संदेह बनना लाजिमी है। निर्वाण के साथ फ्लैट में रह चुकी सिम्पल को लोग थोड़ा-बहुत जानते हैं। फिर सड़क दुर्घटना में निर्वाण को खोकर, फ्लैट को अशुभ करार दे, फ्लैट बंद कर सिम्पल मायके चली गयी थी। अशुभ होने के समाचार ने ऐसा जोर पकड़ा कि फ्लैट को किरायेदार नसीब न हुये। एक दिन लोगों ने देखा फ्लैट में रोशनी है। सोसायटी वाले तब से शोध में दत्त हैं सिम्पल दिनों बाद जिन दो अधेड़ बल्कि बूढ़ी स्त्रियों के साथ वापस आई है, वे दो कौन हैं। वैसे लोग इन्हें प्रामाणिक तौर पर बूढ़ी नहीं कह पाते हैं। इतनी चुस्त-दुरुस्त हैं कि इनकी त्वचा से उम्र का पता नहीं चलता।

तीन आयु, तीन तरह के व्यवहार, तीन तरह के अनुभवों, तीन तरह के तौर तरीकों से गुजरी तीन स्त्रियाँ। सेवा निवृत्त स्कूल व्याख्याता नूतन घर-बार का चक्कलस छोड़ आई ललिता, फ्लैट की मालकिन सिम्पल। अपने में एकाग्र, बाकी लोगों से जुदा-जुदा तीनों इस तरह रहती हैं कि सोसायटी वाले कभी मुखर होकर कभी फुसफुसा कर एक-दूसरे से पूछते हैं - इनकी हिस्ट्री क्या है? लोगों की प्रश्नाकुलता का अंदाज लगा नूतन, ललिता और सिम्पल से कहती है -